090 सूरह बलद. (मजामीन)

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब.
मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.

नोट.- ये PDF कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

» दोनों रास्ते वाझेह हे (साफ) इन्सान इस दुनिया मे आराम के लिये नही बल्कि मेहनत के लिये पैदा हुवा हे, उस्की कामयाबी झिन्दगी के इस कानून के साथ जुड जाने मे हे.

इस शहर (मक्का) की कसम जीस्मे आप चलते फिरते हे. और सारी मखलूक की कसम हमने इन्सान को सख्त मशक्कत और तकलीफ मे रेहनेवाला पैदा किया हे. क्या वो ये समझता हे उस्पर किसी का कोई काबू नही चलेगा. और उस्ने बहुत सा माल बर्बाद कर डाला हे. वो ये समझता हे की उस्को किसी ने नही देखा हे. क्या हमने उस्को दो आंखें नही दी, और एक झबान और दो हॉट नही दिये और हमने उस्को खैर और बुराई के दोनों रास्ते बतला दिये हे. फिर भी वो(सवाब की) घाटी मे दाखिल नही हो सका, और तुम्को मालूम हे वो घाटी क्या हे, किसी गुलाम को आझाद करना और मिसकीनों को खाना खिला देना हे. उस्को चाहिए था की नेकी के इन कामों को अंजाम देता, मगर ये तो उन लोगों मे से ना हुवा जो ईमान लाये हुवे हे और एक दूसरे को सबर की और एक दूसरे को(मख्लुक पर) रहम करने की ताकीद करते हे अगर ये उन्मे शामिल हो जाता, तो ये दाहिने हाथ वाले थे और काफिर बाये हाथ वाले हे और उन्को दोझख मे भरकर फिर दरवाझे को बन्द कर दिया जायेगा(ताके वो निकाल ही ना सके).